

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, धर्मशास्त्र, सत्र 13, असंप्रेषणीय गुण, भाग 4, ईश्वर अपरिवर्तनीय और महान है

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन और ईश्वर के बारे में उनकी शिक्षा है। यह सत्र 13, असंप्रेषणीय गुण, भाग 4 है। ईश्वर अपरिवर्तनीय और महान है।

ईश्वर के सिद्धांत या धर्मशास्त्र के अध्ययन में आपका स्वागत है।

आइए हम कुछ और करने से पहले प्रार्थना करें। दयालु पिता, हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आपने अपने पवित्र वचन में खुद को हमारे सामने प्रकट करना उचित समझा ताकि हम आपको जान सकें, आपसे प्रेम कर सकें और आपकी सेवा कर सकें। हम प्रार्थना करते हैं कि हमें सिखाएँ। हमें सुधारें जहाँ हमें इसकी आवश्यकता है। हमें आपके लिए जीने के लिए प्रोत्साहित करें, हम मध्यस्थ यीशु मसीह के माध्यम से माँगते हैं। आमीन।

हम ईश्वर के तथाकथित असंप्रेषणीय गुणों को समाप्त कर रहे हैं, जो अद्वितीय हैं जिन्हें वह अपने प्राणियों के साथ साझा नहीं करता है। समीक्षा करने के लिए, वह जीवित ईश्वर, अस्तित्व है।

वह एक है, एकता का गुण। ईश्वर आत्मा है, अनंत है, हर जगह मौजूद है, सर्वव्यापी है, सर्वशक्तिमान है, सर्वशक्तिमान है, सर्वज्ञ है, सर्वज्ञ है, शाश्वत है, और अब हमारे अंतिम दो गुण हैं। ईश्वर अपरिवर्तनीय या अपरिवर्तनशील है, और ईश्वर महान है।

अपरिवर्तनीय या अपरिवर्तनीय से हमारा मतलब है कि परमेश्वर अपने चरित्र या स्वभाव में नहीं बदलता है, जैसा कि परमेश्वर की बदलती सृष्टि में होता है। भजन संहिता 102:27, उद्धरण, तुम वही हो और तुम्हारे वर्ष कभी समाप्त नहीं होंगे। इब्रानियों 1 में यीशु पर सीधे लागू होने वाली आयतें, पुराने नियम में सामान्य रूप से परमेश्वर के बारे में कही गई हैं।

परिणामस्वरूप, अगला श्लोक, भजन 102:28 कहता है, उद्धरण, हम एक बदलते हुए, बंद उद्धरण, एक बदलती दुनिया के बीच सुरक्षित रूप से निवास करेंगे। हम सुरक्षित हैं क्योंकि परमेश्वर स्थिर है, चट्टान की तरह स्थिर है। हालाँकि हम उसके खिलाफ विद्रोह करते हैं, परमेश्वर हमारी दृढ़ चट्टान बना रहता है।

इस्राएल की अवज्ञा के लिए निंदा करने वाले शब्दों के बीच, परमेश्वर कहता है, उद्धरण, क्योंकि मैं प्रभु नहीं बदला हूँ, तुम याकूब के वंशज नष्ट नहीं हुए हो, मलाकी 3:6। यह अपरिवर्तनीयता के लिए प्रमुख ग्रंथों में से एक है। इसलिए, हमें यह सुनिश्चित करने के लिए इस पर थोड़ा ध्यान देना चाहिए कि हम संदर्भ को समझते हैं क्योंकि संदर्भ ही राजा है।

ग्रेट ओसबोर्न की *हेर्मेनेयुटिकल स्पाइरल* एक उचित रूप से प्रभावशाली पुस्तक थी। उदारवादी हेर्मेनेयुटिकल दलदल के बजाय, वह हेर्मेनेयुटिकल सर्पिल सिखाता है, जिसमें हम किसी पाठ की

सटीक समझ के करीब और करीब पहुँचते हैं। उसके पास एक लक्ष्य है जिसमें बुल्सआई से बाहर की ओर जाने वाले संकेंद्रित वृत्त हैं।

और यह साहित्यिक संदर्भ के महत्व को दर्शाने का एक अच्छा तरीका है। इस मामले में निशाना मलाकी 3 :6 है। वृत्तों को बड़ा करने वाला अगला चरण मलाकी 2:17 से 3 6 या 3:5, उसके ठीक पहले की आयतें, और इसी तरह आगे है। अगला चरण मलाकी 3 हो सकता है। अगला चरण मलाकी की पुस्तक हो सकता है।

अगला छोटा भविष्यवक्ता हो सकता है। अगला भविष्यवक्ता हो सकता है। अगला पुराना नियम हो सकता है।

अंतिम पायदान पूरी बाइबल है, अंतिम छल्ला। यह मलाकी 3:6 के संदर्भ का हिस्सा है। लेकिन, जैसा कि ओसबोर्न, जो अब प्रभु के साथ है, बहुत अच्छी तरह से दिखाता है, जितना छोटा घेरा होगा, उतना ही हाथ में मौजूद पद या पदों को समझना महत्वपूर्ण होगा। मलाकी 3:1, देखो, मैं अपना दूत भेजता हूँ, और वह मेरे आगे मार्ग तैयार करेगा।

वह यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला है। और जिस प्रभु को तुम खोज रहे हो वह अचानक अपने मंदिर में आ जाएगा। वह यीशु है।

और वाचा का दूत जिससे तुम प्रसन्न हो। देखो, वह आ रहा है, सेनाओं का यहोवा कहता है। परन्तु उसके आने के दिन को कौन सह सकेगा? और जब वह प्रकट होगा, तब कौन खड़ा रह सकेगा? क्योंकि वह शुद्ध करनेवाली आग और धोबी के साबुन के समान है।

वह चाँदी को शुद्ध करनेवाला और परखनेवाला ठहरेगा। और वह लेवी के पुत्रों को शुद्ध करेगा, और उन्हें सोने और चाँदी के समान निर्मल करेगा। और वे यहोवा के लिये धार्मिकता से भेंट चढ़ाएँगे।

तब यहूदा और यरूशलेम की भेंट यहोवा को ऐसी प्रसन्नता देगी, जैसी प्राचीनकाल में और पूर्वकाल में होती थी। तब मैं न्याय के लिये तुम्हारे निकट आऊंगा। मैं टोन्हों, व्यभिचारियों, झूठी शपथ खानेवालों, मजदूर को उसकी मजदूरी में अन्धे करनेवालों, विधवा और अनार्यों, और परदेशी को भगा देनेवालों के विरुद्ध शीघ्र साक्षी दूंगा।

सेनाओं का यहोवा कहता है, मुझसे मत डरो। फिर, हमारे पास छठी आयत है। क्योंकि मैं, यहोवा, बदलता नहीं।

इसलिए, हे इस्राएल के बच्चों, तुम नष्ट नहीं हुए। अन्यथा, वे नष्ट हो जाते। यह परमेश्वर की वाचागत दृढ़ता, उसकी वाचागत निष्ठा, और अपने लोगों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता में उसका अपरिवर्तनीय चरित्र है जो उनके जारी रहने के लिए भी जिम्मेदार है।

अपने पुरखाओं के दिनों से ही तुम मेरी विधियों से विमुख हो गए हो और उनका पालन नहीं करते। सेनाओं के यहोवा की यह वाणी है, मेरे पास लौट आओ, और मैं भी तुम्हारे पास लौट आऊँगा। मैं आगे की आयतों में इस बारे में और बता सकता हूँ।

यह देने के क्षेत्र में है। वे परमेश्वर को धोखा दे रहे हैं, और वह उन्हें इसके लिए जवाबदेह ठहराता है। प्रभु का अपरिवर्तनीय चरित्र उसके लोगों के प्रति उसकी वफ़ादार प्रतिबद्धता का आधार है।

परमेश्वर स्थिर है। परमेश्वर की छवियाँ जो उसके अपरिवर्तनीय होने से संबंधित हैं, उनमें एक चट्टान, भजन 62, एक और दो, और ज्योतियों का पिता, याकूब 1:17 शामिल हैं। यह दूसरा है; यह दूसरा महत्वपूर्ण अंश है, और हमें इसे देखने की आवश्यकता है।

याकूब 1:12, उस व्यक्ति को आशीर्वाद देता है जो परीक्षा में दृढ़ रहता है। दूसरे शब्दों में, वह परमेश्वर के चरित्र को दर्शाता है। क्योंकि जब वह परीक्षा में खरा उतरेगा, तो उसे जीवन का मुकुट मिलेगा, जिसका वादा परमेश्वर ने उनसे किया है जो उससे प्रेम करते हैं।

जब कोई परीक्षा में पड़े, तो यह न कहे, कि मेरी परीक्षा परमेश्वर की ओर से होती है; क्योंकि न तो परमेश्वर की परीक्षा बुरी रीति से होती है, और न वह आप किसी की परीक्षा करता है। परन्तु प्रत्येक मनुष्य अपनी ही अभिलाषा में बहककर परीक्षा में पड़ता है। यही वह भाषा है जो पाप को जन्म देती है।

यह मातृत्व की भाषा है। और पाप, जब पूरी तरह से विकसित हो जाता है, तो मृत्यु को जन्म देता है। यह एक महिला छवि, एक व्यक्तित्व के संदर्भ में एक प्रतिगमन है, और ये चीजें निश्चित रूप से व्यक्तित्व हैं।

इच्छा शास्त्र में अनिवार्य रूप से एक बुरा शब्द नहीं है, यह अनिवार्य रूप से पाप की बात नहीं करता है, लेकिन यहाँ यह एक प्रबल इच्छा है। जब यह गर्भ धारण करती है, तो पाप को जन्म देती है। इसका अर्थ है, माँ इच्छा है।

कुछ अनुवादों में वासना का अर्थ यौन इच्छा से कहीं अधिक व्यापक है। और फिर, अच्छी यौन इच्छा होती है, और अवैध यौन इच्छा होती है। सामान्य रूप से अच्छी इच्छा और सामान्य रूप से बुरी इच्छा होती है, जो सभी अलग-अलग क्षेत्रों पर लागू होती है।

लेकिन माँ, यानी इच्छा, इस मामले में बुरी इच्छा, पाप को जन्म देती है। बुरी इच्छा पाप को जन्म देती है। और पाप भी एक स्त्री है।

वह बड़ी होती है, वह गर्भवती होती है, वह मृत्यु को जन्म देती है। कैसी छवि है। इच्छा, जब गर्भवती होती है, पाप को जन्म देती है।

और पाप, जब पूरी तरह से विकसित हो जाता है, तो मृत्यु को जन्म देता है। यह केवल एक रूपक है, केवल एक चित्र है। लेकिन शक्तिशाली रूप से, यह इंगित करता है कि बुरी इच्छाओं को पूरा करने से प्रभु के विरुद्ध पाप और अपराध उत्पन्न होते हैं, और यदि हम उसी क्षेत्र में बने रहते हैं,

तो यह मृत्यु की ओर ले जा सकता है, जिससे परमेश्वर के साथ हमारी संगति टूट सकती है, अविश्वासियों के मामले में, निश्चित रूप से, अनन्त मृत्यु, हमेशा के लिए परमेश्वर से अलग होना।

हे मेरे प्रिय भाइयो, धोखा मत खाओ। परमेश्वर परीक्षा नहीं लेता, वह परीक्षा में नहीं पड़ सकता और वह परीक्षा नहीं देता। परीक्षा भीतर से आती है।

बाद में जेम्स में, वह कहता है कि प्रलोभन शैतान से आता है। लेकिन यह यहाँ उचित नहीं है। क्योंकि यह एक संभावना होगी, शैतान ने मुझे ऐसा करने के लिए मजबूर किया, और व्यक्तिगत जिम्मेदारी से बचने के लिए।

वह बात यह नहीं है। क्या वह पाप के लिए प्रलोभन का पूरा धर्मशास्त्र दे रहा है? बिलकुल नहीं। बाइबल लगभग कभी भी किसी भी एक जगह पर किसी भी चीज़ का पूरा धर्मशास्त्र नहीं देती है।

क्योंकि यह कमोबेश एक सामयिक दस्तावेज़ है, और यहाँ वह अपने श्रोताओं में अमीर और गरीब, और इसलिए, अमीर और गरीब, और अपने श्रोताओं में बहुत गरीब, और इसी तरह की अन्य चीज़ों के साथ विशेष चीज़ों को संबोधित कर रहे हैं। धोखा मत खाओ। भगवान आपको लुभाता नहीं है।

प्रलोभन भीतर से आता है। मेरे प्यारे भाइयों, कुछ हद तक परमेश्वर यही करता है। हर अच्छा उपहार और हर उत्तम उपहार ऊपर से आता है, ज्योतियों के पिता, स्वर्गीय मंडलियों, सितारों के निर्माता से आता है; आज, हम आकाशगंगाएँ कहेंगे; तब उनके पास हबल दूरबीन नहीं थी।

ईश्वर प्रकाश का महान निर्माता है। और वे चलते हैं, और वे छाया उत्पन्न करते हैं, लेकिन वह उस अर्थ में नहीं चलता है। और वह ऐसी छाया उत्पन्न नहीं करता जो उसके बदलने या स्थानांतरित होने से आती है।

हर अच्छा और हर उत्तम वरदान ऊपर से आता है, ज्योतियों के पिता की ओर से, जिसके कारण न तो कोई परिवर्तन होता है, न ही परिवर्तन के कारण कोई छाया होती है। और यहाँ पर उन अच्छे वरदानों का एक उदाहरण दिया गया है जो परमेश्वर देता है। अपनी इच्छा से, उसने हमें सत्य के वचन के द्वारा उत्पन्न किया ताकि हम उसकी सृष्टि में से एक प्रकार के प्रथम फल बनें।

यह पुनर्जन्म का सिद्धांत है, और यहाँ इसे पिता की इच्छा के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है, जैसा कि हम 1 पतरस 1:3 में पाते हैं, जहाँ यह पिता की दया है जो हमारे नए जीवन के पीछे है। यही परमेश्वर करता है। वह अच्छे और उत्तम उपहार देता है।

उदाहरण के लिए, नया जीवन। जो लोग अपने अपराधों और पापों में मरे हुए थे, उनका फिर से जन्म होना। ताकि वे पहले फल बन सकें।

यहाँ ऐसा लगता है कि वे शायद परमेश्वर के प्रति कृतज्ञता में समर्पित हैं, क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें पुनर्जीवित करने के लिए कृपा की है। प्रभु का अपरिवर्तनीय चरित्र उनके लोगों के प्रति उनकी वफ़ादार प्रतिबद्धता का आधार है। परमेश्वर स्थिर है।

अपरिवर्तनीय या अपरिवर्तनशील से हमारा यही मतलब है। बेशक, ऐसे तरीके हैं जिनसे वह बदलता है, क्योंकि वह एक व्यक्ति है और एक पल में योग्य हो जाएगा। लेकिन अभी के लिए, और बस दोहराने के लिए, परमेश्वर की छवियाँ जो उसके अपरिवर्तनीय होने से संबंधित हैं, उनमें एक चट्टान शामिल है, भजन 62: 1 और 2, और वह ज्योतियों का पिता है, याकूब 1:17, जो, उनके विपरीत, हिलता नहीं है या बदलती छाया नहीं डालता है, अगर आप चाहें तो।

जबकि परमेश्वर का चरित्र स्थिर रहता है, वह एक व्यक्तिगत प्राणी भी है जो वाचा के माध्यम से हमारे साथ एक औपचारिक संबंध में प्रवेश करता है। वाचा यही है। यह परमेश्वर और उसके लोगों के बीच एक व्यक्तिगत संबंध की गारंटी, एक निशान, एक मुहर है।

"मैं अपनी वाचा को जो तुम्हारे और तुम्हारे होनेवाले वंश के बीच में है, उसे उनकी पीढ़ियों तक दृढ़ करूंगा," उत्पत्ति 17:7। यह एक स्थायी वाचा है कि तुम अपने परमेश्वर और तुम्हारे बाद तुम्हारे वंश के परमेश्वर होगे, उत्पत्ति 17:7। अब्राहमिक वाचा मूसा की वाचा की नींव थी, और यद्यपि यहूदियों ने अब्राहमिक वाचा के अनुग्रह और विश्वास के संदर्भ से मूसा की वाचा को छीन लिया, जैसा कि पॉल ने गलातियों 3 में आलोचना की है, यह परमेश्वर का इरादा नहीं था। और वास्तव में, यिर्मयाह 31 में भविष्यवाणी की गई और यीशु में पूरी हुई नई वाचा, अब्राहमिक वाचा की पूर्ति है। इसलिए, अब्राहम के लिए परमेश्वर के शब्द विस्तार से और अब्राहमिक / नई वाचा में हमारे शामिल होने से हमारे लिए शब्द हैं, यदि आप चाहें तो।

परमेश्वर अपने स्वरूप में कभी नहीं बदलता, और वह वास्तव में हमसे संबंध रखता है। वह हमारी प्रार्थनाओं का उत्तर देता है, हमारी प्रशंसा चाहता है, और जब हम उससे प्रेम करते हैं और उसकी आज्ञा मानते हैं तो वह प्रसन्न होता है। क्या यह उसकी अपरिवर्तनीयता का उल्लंघन करता है? वाह, वाह, वाह।

उल्लंघन? आप किस बारे में बात कर रहे हैं? ये विशेषताएँ, सभी ईसाई धर्मशास्त्रों की तरह, परमेश्वर के वचन को समझने का एक मानवीय प्रयास है। हम परमेश्वर को अपने धर्मशास्त्रों के प्रति उत्तरदायी नहीं ठहराते। हम उसके वचन की शिक्षा को उसके वचन की व्याख्या से निकालने के लिए अपनी पूरी कोशिश करते हैं, जिसे प्रगतिशील रहस्योद्घाटन और इसी तरह से माना जाता है।

और परमेश्वर मलाकी 3 और याकूब 1 दोनों में कहता है कि वह नहीं बदलता। ऐसा ही हो। लेकिन आइए हम उसे यह बताने दें कि वह कैसे नहीं बदलता और कैसे बदलता है, जो निश्चित रूप से एक ही अर्थ में नहीं है। वास्तव में, परमेश्वर के पश्चाताप की तथाकथित समस्या को संबोधित करने के लिए यह उचित संदर्भ है।

किंग जेम्स संस्करण में दो अनुच्छेदों का सही अनुवाद किया गया है, जो इस बात से इनकार करते हैं कि परमेश्वर पश्चाताप करता है। गिनती 23:19, 1 शमूएल 15:29. गिनती 23:19, 1 शमूएल 15:29.

मैं इसे पढ़ूंगा ताकि हम उनमें से एक को टेबल पर रख सकें। यह एक अच्छा है। यह एक स्पष्ट है।

शमूएल ने शाऊल को बताया कि प्रभु ने उसकी बेवफाई और अवज्ञा, निर्लज्ज अवज्ञा के कारण उससे राज्य छीन लिया है, और उसे एक ऐसे पड़ोसी को दे दिया है जो तुमसे बेहतर है, वह दाऊद होगा। पहला शमूएल 15:29। और साथ ही, इस्राएल की महिमा।

भगवान को नामित करने का यह कितना बढ़िया तरीका है। वह झूठ नहीं बोलेगा और न ही उसे पछतावा होगा। क्योंकि वह मनुष्य नहीं है कि उसे पछतावा हो।

आपने देखा होगा कि ESV ने उसका मन नहीं बदला है। हालाँकि वे उस संदर्भ में ऐसा कर सकते थे। लेकिन किंग जेम्स संस्करण, जो सही ढंग से इनकार करता है कि परमेश्वर संख्या 23:19 और 1 शमूएल 15:29 में पश्चाताप करता है।

मुझे अब दूसरे को देखना होगा। मैं अनुवाद में स्थिरता के लिए ESV को नहीं पकड़ रहा हूँ क्योंकि आपको हमेशा एक ही अभिव्यक्ति का एक ही तरह से अनुवाद नहीं करना चाहिए। संख्याएँ।

भगवान कोई इंसान नहीं है। ओह, मेरा वचन। बालक।

ओह, मेरा वचन। वह परमेश्वर का सच्चा सेवक नहीं था। लेकिन जब उसने अपना मुँह खोला, तो परमेश्वर का वचन बाहर आया।

इसे समझो। भगवान कोई इंसान नहीं है, जो झूठ बोले। या फिर वह कोई इंसान नहीं है कि उसे अपना मन बदलना पड़े।

ओह बॉय। मैं बालक को किसी और समय के लिए छोड़ता हूँ। कुछ पुराने नियम के प्रोफेसरों के लिए जो वास्तव में जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं।

हांफते हुए। इतना कहना ही काफी है कि अगर आपका गधा आपको सही करता है, तो आप मुसीबत में हैं। और जाहिर है, उसने इजरायल को गुमराह करने की कोशिश की थी।

वह एक किराए का भविष्यवक्ता था। और वह ऐसा नहीं कर सकता था क्योंकि परमेश्वर उसके माध्यम से बोलता था। लेकिन फिर वह बालाम के बाद अगले अध्याय में सफल हुआ।

गिनती के अध्याय 6 में वह लोगों को यौन अनैतिकता और मूर्तिपूजा में ले जाता है। और इसके लिए, यहूदा और 2 पतरस में उसकी निंदा की जाती है। जब उन्होंने कहा कि तुम बिलाम के रास्ते पर चले गए हो, तो यह अच्छी बात नहीं है।

उनका मतलब यह नहीं है कि परमेश्वर ने उसके माध्यम से बात की है। उनका मतलब है कि आप अनैतिकता और बड़ी बुराई की ओर जा रहे हैं। इसलिए, KJV असंगत है।

खैर, यह वास्तव में सुसंगत है, और इससे धार्मिक भ्रम पैदा होता है। बेहतर कहा जाए। दो बार, यह उन अंशों का अनुवाद करता है जो इस बात से इनकार करते हैं कि भगवान पश्चात्ताप करते हैं।

लेकिन दूसरों के लिए इसका अनुवाद यह है कि वह पश्चात्ताप करता है। उत्पत्ति 6:6 और 7. मैं ये सब नहीं पढ़ने जा रहा हूँ। मैं इन्हें दो बार पढ़ूँगा।

निर्गमन 32:14. 12 और 14. न्यायियों 2:18.

1 शमूएल 15:11 और 35. योना 3:10. योना 4:2. एक बार और.

केजेवी ईश्वरीय पुरुषों द्वारा किया गया एक अच्छा अनुवाद था। 400 साल से भी पहले। और इसका अपना समय होना चाहिए था।

हालाँकि, यह बहुत सुंदर था। और यह आज भी कायम है। और दो कारणों से मैं ईसाइयों को बाइबल के समकालीन इंजील अनुवाद का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ।

NASB, NIV, ESV. मेरी निजी पसंदीदा। दो कारणों से।

नंबर एक। सुधार सिद्धांत यह है कि ईसाइयों को अपनी भाषा में परमेश्वर का वचन चाहिए। हम 400 साल पहले की भाषा, अंग्रेजी, नहीं बोलते।

ओह, लेकिन एक नया किंग जेम्स है। काश कोई नया किंग जेम्स न होता। हमें हर संस्कृति में नए अनुवाद की ज़रूरत है।

हर, मुझे नहीं पता, दो पीढ़ियों में? शायद एक पीढ़ी में। दूसरी बात, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि न्यू टेस्टामेंट की सबसे पुरानी और बेहतरीन पांडुलिपियाँ 20वीं सदी की शुरुआत में खोजी गई थीं। 1611 में किंग जेम्स संस्करण के बनने के 300 साल बाद।

यह खूबसूरत है। यह अभी भी बेस्टसेलर है। काश ऐसा न होता।

संचार के नाम पर, मार्टिन लूथर ने बाइबल का जर्मन भाषा में अनुवाद करने में बहुत समय लगाया। और यह एक अलग कहानी है। क्या चरित्र था।

आज भी हिब्रू बाइबिल में, पुराने नियम में, इस शब्द के लिए हिब्रू शब्द अनिश्चित है। किसी तरह का खरगोश। खरगोश या किसी और तरह का जानवर।

लूथर को नहीं पता था कि वे क्या थे। इसलिए, उसने बस जर्मन जानवरों को वहाँ रखा। क्योंकि बाइबल को संवाद करना था।

ओह! कैल्विन के चचेरे भाई ओलिवियर टैन ने बाइबल का फ्रेंच में अनुवाद किया। क्यों? वे चाहते थे कि बाइबल लोगों की भाषा में हो।

इसे लैटिन में रखना, जिसके बारे में ट्रेंट ने भी कहा कि यह ईश्वर का प्रेरित वचन है, हिब्रू और ग्रीक में नहीं। फिर से चौंकिए।

वैसे भी, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि 20वीं सदी में सबसे महत्वपूर्ण न्यू टेस्टामेंट पांडुलिपियों की खोज की गई थी। केजेवी तब गलत हो जाता है जब वह कहता है कि ईश्वर पश्चाताप करता है, एक बार फिर, उत्पत्ति 6:6 और 7, निर्गमन 32:12 और 14, न्यायियों 2:18, 1 शमूएल 15:11 और 35, योना 3:10 और 4:2। इन और इसी तरह के अंशों को ईश्वर के स्थिर चरित्र की स्पष्ट पुष्टि के प्रकाश में समझा जाना चाहिए, जो उनके लोगों से उनके वास्तविक संबंध की अभिव्यक्ति है। ईश्वर के बारे में अधिक जानने के लिए, ईश्वर के बारे में अधिक जानने के लिए, जो समय के साथ मनुष्यों के लिए अपरिवर्तनीय लेकिन उत्तरदायी है, जॉन फ्रेम, *द डॉक्ट्रिन ऑफ गॉड*, पृष्ठ 543 से 575 देखें।

जो लोग इसे चाहते हैं उनके लिए यह एक अच्छा बड़ा उपचार है। फ्रेम, *ईश्वर का सिद्धांत*, 543 से 575। आधुनिक अनुवाद इन अंशों को बेहतर तरीके से संभालते हैं जैसा कि क्रिश्चियन स्टैंडर्ड बाइबल दिखाती है, उत्पत्ति 6, 1 शमूएल 15 में प्रभु ने खेद व्यक्त किया, प्रभु ने खेद व्यक्त किया या भगवान ने खेद व्यक्त किया।

निर्गमन 32:12 और 14, योना 3:10 या प्रभु को दया आ गई, न्यायियों 2:18। इनमें से प्रत्येक अंश में, यह परमेश्वर का चरित्र या स्वभाव नहीं है जो बदलता है। प्रत्येक मामले में, परमेश्वर कौन है, वही रहता है।

ये अंश इस बात पर जोर देते हैं कि परमेश्वर वास्तव में मनुष्यों के प्रति संवेदनशील है। जब हम पाप करते हैं, तो वह बहुत परेशान होता है। जब हम दुखी होते हैं, तो वह वास्तव में दयालु होता है।

इसी तरह, जब हम परमेश्वर के निकट आते हैं, तो वह हमारे निकट आता है, जो कि मलाकी 3 में उसके न बदलने के कथन के बाद उसने ठीक यही कहा। मेरे निकट आओ और मैं तुम्हारे निकट आऊंगा। और इसी तरह, याकूब 4:8। जब हम प्रार्थना करते हैं, तो वह हमारी ओर से कार्य करता है।

याकूब 4:2. याकूब 5:13, 18. जब हम अपने पाप को स्वीकार करते हैं, तो वह हमें क्षमा करता है। याकूब 5:15 से 16, 1 यूहन्ना 1:9. परमेश्वर कौन है, यह निश्चित है, लेकिन हमारे प्रति परमेश्वर के कार्य ऐतिहासिक हैं और उसके प्रति हमारी प्रतिक्रियाओं से संबंधित हैं।

जैसा कि फ्रांसिस शेफ़र ने कहा, और दार्शनिकों ने उन पर हमला किया, और यह उचित नहीं है। वह दार्शनिक बनने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। ईश्वर अनंत व्यक्तिगत ईश्वर है।

अपनी अनंतता में, वह बदलता नहीं है। अपने व्यक्तिगत होने में, वह अपने लोगों से वाचा के द्वारा संबंध रखता है। और इसका अर्थ है देना और लेना।

इसका मतलब है कि ईश्वर की ओर से प्रतिक्रिया। ईश्वर के अन्य गुणों की तरह, शास्त्र इसे भी मसीह को बताता है। "यीशु मसीह कल, आज और हमेशा एक जैसा है।" इब्रानियों 13: 8।

ऐसे शब्द केवल ईश्वर के लिए ही सत्य हैं, और इस प्रकार वे हमें याद दिलाते हैं कि मसीह ईश्वरीय है। याकूब जोर देकर कहते हैं कि ईश्वर न तो परीक्षा में पड़ता है और न ही दूसरों को परीक्षा में डालता है। इसके बजाय, हमारी बुरी इच्छाएँ हमें पाप में ले जाती हैं।

वह चेतावनी देता है, मेरे प्यारे भाइयों और बहनों, धोखा मत खाओ। हर अच्छा और उत्तम वरदान ऊपर से है, ज्योतियों के पिता की ओर से, जो कभी नहीं बदलता, जैसे छाया का बदलना। याकूब 1:16, और 17.

जैसा कि मैंने पहले कहा, ईश्वर स्वर्गीय ज्योतियों का निर्माता है। और उनके विपरीत, वह बदलता या परिवर्तित नहीं होता। चंद्रमा की तरह उसके भी चरण नहीं होते।

वह अपने स्वभाव में स्थिर है। वह हमेशा अच्छा रहता है। और स्टार वार्स धर्मशास्त्र के विपरीत, अगर इसका उद्देश्य धर्मशास्त्र सिखाना था, तो ईश्वर का कोई अंधेरा पक्ष नहीं है।

शक्ति के विपरीत। परमेश्वर के चरित्र की स्थिरता हमें बड़ी सुरक्षा देती है। भजन 102, श्लोक 27।

हम वहीं समाप्त करते हैं जहाँ से हमने शुरू किया था। भजन शानदार हैं। हे भगवान!

बाइबल शानदार है। भजन 102:27. मैं 25 से शुरू करूँगा।

हे प्रभु, आपने धरती की नींव रखी और स्वर्ग आपके हाथों का काम है। इन्हें सीधे उद्धृत किया गया है और इब्रानियों 1 में यीशु और जेम्स पर लागू किया गया है। वे नष्ट हो जाएँगे, स्वर्ग और पृथ्वी, लेकिन आप बने रहेंगे। वे सभी एक वस्तु की तरह घिस जाएँगे।

तू उन्हें वस्तु की तरह बदल देगा, और वे मिट जाएँगे, परन्तु तू वही है, और तेरे वर्षों का अन्त नहीं है। तेरे सेवकों के बच्चे सुरक्षित रहेंगे। यही अर्थ है।

उनकी संतान तुम्हारे सामने स्थापित होगी। हमारे विपरीत, परमेश्वर चंचल नहीं है और हम हमेशा उस पर भरोसा कर सकते हैं। मुझे पुराने नियम की वह छवि बहुत पसंद है।

वह हमारी चट्टान है। भजनकार कहता है, " उनकी चट्टान हमारी चट्टान जैसी नहीं है।" अन्य राष्ट्रों, मूर्तिपूजकों के बारे में बोलते हुए।

बुतपरस्त राष्ट्र। हाँ। हमारी चट्टान जीवित और सच्चा परमेश्वर है जो अपने लोगों के साथ वाचा में प्रवेश करता है और क्योंकि वह बदलता नहीं है, इसलिए वे नष्ट नहीं होते हैं।

परमेश्वर की अपरिवर्तनीयता सुसमाचार का आधार है। सुसमाचार ही संदेश है। क्या कोई इन व्याख्यानों को सुन रहा है और मसीह को नहीं जानता? यह बहुत संभव है।

सुसमाचार एक संदेश है कि परमेश्वर पापियों से प्रेम करता है। ओह, वह पवित्र है। और यदि हम उसकी दृष्टि में आते हैं, जैसे कि ये ज्योतियाँ मेरे हाथों पर पड़ती हैं, तो हम सभी को उसकी ज्योति में स्वीकार करना चाहिए; परमेश्वर ज्योति है, 1 यूहन्ना 1, और उसमें कोई अंधकार नहीं है।

हम अपने मन में, अपने मुँह से और अपने कामों से पापों के लिए दोषी हैं। अगर आप चाहें तो हमारे हाथों पर। अच्छी खबर यह है कि परमेश्वर ने दुनिया से प्यार किया और अपने बेटे को उन सभी का उद्धारकर्ता बनने के लिए भेजा जो उस पर प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में भरोसा करेंगे।

क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा, यूहन्ना 3:16, कि उसने अपने अद्वितीय पुत्र को भेज दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह अनन्त जीवन पाए और नाश न हो। परमेश्वर हमारे लिए अपने प्रेम को इस तरह प्रदर्शित करता है, रोमियों 5:8। जब हम पापी ही थे, तब मसीह हमारे लिए मरा। हम खुद को नहीं बचा सकते।

मसीह ही मानवजाति का एकमात्र उद्धारकर्ता है। वह खुद को हमारे लिए स्वतंत्र रूप से प्रस्तुत करता है। हे सब परिश्रम करने वालों और बोझ से दबे लोगों, मेरे पास आओ, मैं तुम्हें विश्राम दूंगा।

इसलिए, यदि आप परमेश्वर के सिद्धांत के इन वीडियोटेप को देख रहे हैं, तो हम आपको प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करने और उद्धार पाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। परमेश्वर को प्रसन्न करने के अपने प्रयासों में निराशा। यह न केवल हास्यास्पद और असंभव है, बल्कि अपमानजनक भी है।

गलातियों 2 में अंतिम वचन कहता है, " यदि धार्मिकता व्यवस्था से आती है, तो यीशु का मरना व्यर्थ है। यदि हम अपनी धार्मिकता से परमेश्वर का अनुग्रह प्राप्त कर सकते, तो हमें क्रूस पर और खाली कब्र से मसीह की आवश्यकता नहीं होती। हर किसी को मसीह की आवश्यकता है।

आप भी हम सभी की तरह पापी हैं, और आपको उद्धार पाने के लिए उस पर विश्वास करना चाहिए और उस पर भरोसा करना चाहिए। परमेश्वर का अपरिवर्तनीय चरित्र सुसमाचार का आधार है। यही बात उस उपदेश का कारण बनी।

हम अंतिम उद्धार का आनंद लेंगे क्योंकि हमारे अपरिवर्तनीय प्रभु ने वादा किया है और अपने वचन से पीछे नहीं हटेंगे। इब्रानियों 6:18 और 19 को उद्धृत करते हुए। दो अपरिवर्तनीय चीजों, परमेश्वर के वादे और शपथ के माध्यम से, हमारे पास आत्मा के लिए एक लंगर के रूप में यह आशा है, जो दृढ़ और सुरक्षित है।

इब्रानियों 6:16 से 18. परमेश्वर हमें बचाता है, परमेश्वर हमें सुरक्षित रखता है। हाँ, हमें वफ़ादार बने रहना है, लेकिन हमारे बचाए जाने और सुरक्षित रखे जाने का अंतिम आधार हमारी वफ़ादारी नहीं है।

शुक्र है कि यह परमेश्वर का अपरिवर्तनीय चरित्र है, जैसा कि आप पहले ही अनुमान लगा चुके होंगे, जो कि उसकी वफ़ादारी से स्वाभाविक रूप से जुड़ा हुआ है। आप उन्हें एक विशेषता में जोड़ सकते हैं। विशेषताओं को व्यवस्थित करने या सूचीबद्ध करने का कोई एक तरीका नहीं है।

कई तरीके हैं। हमने एक को चुना है। ईश्वर का हमारा अंतिम अवर्णनीय गुण अक्सर उपेक्षित होता है, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए।

परमेश्वर महान है। फिर से, वाचा के अनुसार बोलते हुए, हमारा परमेश्वर महान है। परमेश्वर भी महान है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर अत्यंत महत्वपूर्ण है और तुलना से परे है।

उसकी महिमा अनंत है। वह अकेला ही सर्वोच्च और महान है, और उसके जैसा कोई नहीं है। जैसा कि मूसा के गीत में कहा गया है, निर्गमन 15, 11, निर्गमन के बाद और रीड्स सागर में इस्राएलियों को डुबोने के बाद, उद्धृत करें, हे प्रभु, देवताओं में आपके समान कौन है? आपके समान कौन है, पवित्रता में महिमावान, स्तुति से पूजित, चमत्कार करने वाला? निर्गमन 15:11.

परमेश्वर की छवियाँ जो उसके महान होने से संबंधित हैं, उनमें राजा यशायाह 40:21 से 24 तक शामिल हैं। मैं इसका विरोध नहीं कर सकता।

यशायाह 40 शानदार है। यशायाह 40:21। क्या तुम नहीं जानते? क्या तुम नहीं सुनते? क्या यह तुम्हें शुरू से नहीं बताया गया है? क्या तुमने पृथ्वी की नींव से नहीं समझा? यह वही है जो पृथ्वी के घेरे के ऊपर बैठता है, और इसके निवासी टिड्डे की तरह हैं जो आकाश को पर्दे की तरह फैलाते हैं और उसे रहने के लिए तम्बू की तरह तानते हैं, जो राजकुमारों को नष्ट कर देता है और इस पृथ्वी के शासकों को शून्य बना देता है। और अब यशायाह शासकों की तुलना एक पौधे के बीज से करता है।

वे मुश्किल से ही लगाए जाते हैं, मुश्किल से ही बोए जाते हैं, मुश्किल से ही उनका तना धरती में जड़ पकड़ पाता है जब वह उन पर फूंक मारता है, और वे सूख जाते हैं, और तूफ़ान उन्हें भूसे की तरह उड़ा ले जाता है। फिर तुम मुझे किससे तुलना करोगे, परमेश्वर कहता है, कि मैं उसके जैसा हो जाऊँ, पवित्र परमेश्वर कहता है। और यह चलता रहता है, परमेश्वर की महानता और गुणों की एक पूरी श्रृंखला को एक दूसरे के ऊपर ढेर करते हुए, जो कि ठीक उसी तरह है जैसे शास्त्र बोलता है।

भगवान की महानता को दर्शाने वाली छवियों में उनकी शाही छवि शामिल है, भगवान राजा हैं। यह विशेषता भगवान की विशिष्टता पर जोर देती है, खासकर राष्ट्रों के तथाकथित देवताओं के खिलाफ, एक विषय जिस पर हमने पहले चर्चा की है, जो केवल मूर्तियाँ हैं। "हे प्रभु, देवताओं में आपके जैसा कोई नहीं है, और आपके जैसे कोई काम नहीं है।"

हे यहोवा, जितने राष्ट्र तूने बनाए हैं, वे सब तेरे सामने आकर दण्डवत् करेंगे, और तेरे नाम का आदर करेंगे। क्योंकि तू महान है, और आश्चर्यकर्म करता है। तू ही एकमात्र परमेश्वर है।

भजन 86:8 से 10. 96:3 से 5 भी देखें। भजन 86:8 से 10. 96:3 से 5. कई बार, पवित्रशास्त्र परमेश्वर की महानता की अभिव्यक्तियों को अन्य गुणों के साथ जोड़ता है।

निम्नलिखित अंश क्रमशः उसकी संप्रभुता, विश्वासयोग्यता और शक्ति के लिए ऐसा करते हैं। इसलिए, आमतौर पर पवित्रशास्त्र परमेश्वर के गुणों को अलग नहीं करता है। यह परमेश्वर की है, बाइबल, मैं कहना चाहता हूँ, यह एक चित्र पुस्तक है, लेकिन सबसे पहले, यह एक कहानी की किताब है।

यह सृष्टि, पतन, मुक्ति, और पूर्णता, या पुनर्स्थापना की ईश्वर की सच्ची कहानी है। इस दौरान, उन संदर्भों में, सृष्टि, उत्पत्ति 1 और 2, पतन ध्यान देने योग्य है, हालाँकि यह पूरी बाइबल, उत्पत्ति 3 का एक अध्याय है, क्योंकि पवित्रशास्त्र में प्रमुख विभाजन पुराने और नए नियम में भी नहीं है। वैचारिक और धार्मिक रूप से प्रमुख विभाजन पतन से पहले और पतन के बाद का है।

पतन सब कुछ बदल देता है। मुक्ति उत्पत्ति 3 में पद 15 में परमेश्वर के वादे के साथ शुरू होती है, और प्रकाशितवाक्य की पुस्तक के अंत तक जाती है, जिसमें हमें पूर्णता मिलती है। बेशक, पूर्णता के बारे में रास्ते में अलग-अलग जगहों पर बात की गई है, लेकिन प्रकाशितवाक्य, विशेष रूप से 21 और 22, जो एक नए स्वर्ग और एक नई पृथ्वी की बात करता है, और यह हमारे पूर्व-सहस्राब्दी भाइयों और बहनों की पुष्टि के अनुसार हो सकता है, जिसमें नए स्वर्ग और नई पृथ्वी की प्रस्तावना के रूप में एक सहस्राब्दी राज्य है, वह प्रकाशितवाक्य अध्याय 20 होगा।

यह एक बहस का मुद्दा है, और जब मैं इस मामले से निपटता हूँ, तो मैं सभी अलग-अलग सहस्राब्दी दृष्टिकोण प्रस्तुत करता हूँ, जो मैं अभी नहीं कर रहा हूँ। इसलिए, शास्त्र परमेश्वर के गुणों को जोड़ता है, और ऐसा ही वह परमेश्वर के अंतिम, अवर्णनीय गुण के साथ करता है जिसका हम अध्ययन कर रहे हैं, अर्थात् उसकी महानता। भजन 135:5 और 6, क्योंकि मैं जानता हूँ कि यहोवा महान है।

यहोवा सभी देवताओं से महान है। यहोवा स्वर्ग में और पृथ्वी पर, समुद्र और सभी गहराइयों में जो चाहता है वही करता है। भजन संहिता 135 :5 और 6. नहेमायाह 1:5, यहोवा, स्वर्ग का परमेश्वर, महान और भय-प्रेरक परमेश्वर जो अपने प्रेम रखनेवालों और उसकी आज्ञाओं को माननेवालों के साथ अपनी अनुग्रहपूर्ण वाचा रखता है।

और यह वाक्य, बेशक, जारी रहता है, लेकिन हम ऐसा नहीं करेंगे। नहेमायाह 1:5. यिर्मयाह 10:6 और 7, प्रभु, आपके जैसा कोई नहीं है। आप महान हैं।

तेरा नाम महान् सामर्थ्यवाला है। हे जाति जाति के राजा, तुझ से कौन न डरेगा? तू इसी योग्य है। क्योंकि जाति जाति के सब बुद्धिमान लोगों में और सब राज्यों में तेरे समान कोई नहीं है।

यिर्मयाह 10:6 और 7. भजन संहिता परमेश्वर के नाम और उसके व्यक्तित्व की महानता के लिए उसकी स्तुति करती है। भजन संहिता 8:1 और 9. भजन संहिता 148:13. भजन संहिता 8:1 और 8, 9. भजन संहिता 148:13.

वे उसकी प्रशंसा भी करते हैं, भजन संहिता भी, उसके कार्यों की महानता के लिए। भजन 145:3 से 6 तक सुनें। प्रभु महान हैं और उनकी बहुत प्रशंसा की जाती है। उनकी महानता अथाह है।

एक पीढ़ी दूसरी पीढ़ी को तेरे कामों का बखान करेगी और तेरे पराक्रमी कामों का बखान करेगी। मैं तेरे वैभव और महिमामय ऐश्वर्य और तेरे आश्चर्यकर्मों का बखान करूंगा। वे तेरे विस्मयकारी कामों की शक्ति का बखान करेंगे, और मैं तेरी महानता का बखान करूंगा।

भजन 145:3 से 6. इस व्याख्यान के साथ हमारा अंतिम पैराग्राफ यह है। परमेश्वर की महानता हमें उसकी और केवल उसकी आराधना करने के लिए प्रेरित करती है। भजन 86, 8 से 10.

भजन 96:3 से 5. लूका 1. लूका 1:46 से 48. मेरी की महिमा के शब्द। मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित होती है, क्योंकि उसने अपने सेवक की दीन स्थिति पर दृष्टि डाली है, क्योंकि अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

क्योंकि जो शक्तिशाली है उसने मेरे लिए बड़े-बड़े काम किए हैं और उसका नाम पवित्र है। परमेश्वर की महानता हमें उसका भय मानने के लिए प्रेरित करती है। भजन 96:3 से 5. यिर्मयाह 10:6 से 7. परमेश्वर की महानता हमें उसके प्रभुतापूर्ण हाथ के अधीन होने के लिए प्रेरित करती है।

भजन 135:5 और 6. और यह हमें उसकी वाचा की वफ़ादारी पर भरोसा करने के लिए प्रेरित करता है। नहेमायाह 1:5. हम बार-बार उस पर आते हैं। परमेश्वर की महानता हमें दूसरों के सामने उसकी गवाही देने के लिए भी प्रेरित करती है।

भजन 145:3 से 6. हमारे अगले व्याख्यान में, हम परमेश्वर के साझा गुणों का अध्ययन शुरू करेंगे। ये उसके संचारणीय गुण हैं।

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन और ईश्वर के बारे में उनकी शिक्षा है। यह सत्र 13, असंप्रेषणीय गुण, भाग 4 है। ईश्वर अपरिवर्तनीय और महान है।